शैक्षणिक सत्र
2023-24
प्रवेश प्रारम्भ

जयतु भारतम् | जयतु संस्कृतम्

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

(राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित शासकीय विश्वविद्यालय)

पाठ्यक्रम एवं उपाधियाँ

1. शास्त्री (स्नातक) त्रिवर्षीय
2. आचार्य (स्नातकोत्तर) द्विवर्षीय
3. शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) द्विवर्षीय
4. शिक्षाचार्य (एम.एड.) द्विवर्षीय
5. योगविज्ञान शास्त्री (बी.एससी./बी.ए.) त्रिवर्षीय
6. योगविज्ञान आचार्य (एम.एससी./एम.ए.) द्विवर्षीय
7. बी.ए. संस्कृत (प्रस्तावित)
8. विद्यावारिधि (पीएच्.डी.)
9. विद्यावाचस्पति (डी.लिट्.)
10. प्रातःकालीन पीजी डिप्लोमा योग (एकवर्षीय)
11. सायंकालीन सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा ज्योतिष (एक+एकवर्षीय)
12. सायंकालीन सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा वास्तुशास्त्र (एक+ एकवर्षीय)
13. डिप्लोमा कर्मकाण्ड एवं पौरोहित्य (एकवर्षीय)
14. सर्टिफिकेट कोर्स योग त्रैमासिक
15. पी.जी.डी.एम.ई. (एक वर्षीय)
16. पी.जी.डी.सी.ए. (एकवर्षीय)
17. एम.ए. संस्कृत एवं आधुनिक विषय (प्रस्तावित)

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

मदाऊ, भांकरोटा-मुहाना लिंक रोड़, जयपुर (राज.) - 302 026

दूरभाष : 0141-2850551-75 • e-mail : jrrsu@yahoo.com • @JRRSU

हैल्पलाइन : +91 75971 22440 • website : www.jrrsanskrituniversity.ac.in

पठत संस्कृतम् - वदत संस्कृतम्

आन्वीक्षिकी त्रयी वार्त्ता दण्डनीतिश्च शाश्वती। विद्याश्चतस्र एवैता लोकसंस्थितिहेतवः।।

संस्कृत पाठ्यक्रम ही क्यों?

1. बालकों को ज्ञानवान बनाने के लिए विश्व की प्राचीनतम, पूर्ण तर्कसम्मत भाषा व ग्रन्थों का अध्ययन।
2. बालकों को श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों के साथ संस्कारवान बनाने के लिए सर्वाधिक सूक्ति व ध्येय वाक्य देने वाली भाषा व ग्रंथों का अध्ययन।
3. बालकों को सांसारिक, व्यावहारिक एवं पारमार्थिक ज्ञान के साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान करवाने के लिए प्राचीन साहित्य का अध्ययन।
4. ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, अध्यात्म व दर्शन से समाविष्ट भरपूर बौद्धिक सम्पदा का अध्ययन।
5. बालकों के स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन के आधारस्तंभ रूप योग-प्राणायाम का अध्ययन।
6. स्मरण शक्ति की पौषक, रोगमुक्त व सकारात्मक भाव की वाहक भाषा का अध्ययन।
7. कम्प्यूटर के लिए सर्वोपयुक्त वैज्ञानिक भाषा का अध्ययन।
8. सभी भाषाओं, विद्याओं एवं वैश्विक कल्याण व एकता की पौषक भाषा का अध्ययन।
9. नैतिकता का मार्गदर्शन कर चरित्रवान नागरिकों का निर्माण करने वाली भाषा का अध्ययन।
10. शासकीय सेवाओं में रोजगार के साथ-साथ ज्योतिष, वास्तु, कर्मकाण्ड, पौरौहित्य, योग, आयुर्वेद, कम्प्यूटर आदि क्षेत्रों में ख्याति के साथ स्वरोजगार के स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त अवसर।
11. विदेशों में शोध व पौरोहित्य कार्यों में स्वरोजगार के व्यापक अवसर प्रदायक भाषा का अध्ययन।

संस्कृत विश्वविद्यालय ही क्यों?

1. विश्वविद्यालय का 311 बीघा में निर्मित विशाल एवं सुरम्य परिसर।
2. प्राचीनतम भाषा व ज्ञान का आधुनिक एवं कम्प्यूटरीकृत तकनीक के साथ सामंजस्यपूर्ण पाठ्यक्रम।
3. रोजगारोन्मुख डिप्लोमा व सर्टिफिकेट के अतिरिक्त कोर्स।
4. सभी को संस्कृत अध्ययन का पूर्ण अवसर देते हुए संस्कृत विषय सहित कला संकाय विषयों में B.A./M.A. पाठ्यक्रम।
5. विद्वान एवं राष्ट्रपति सम्मानित प्राध्यापकगण।
6. परम्परागत एवं आधुनिक विषयों का आधुनिक तकनीकी साधनों के साथ अध्ययन- अध्यापन।
7. छात्राओं के लिए सामान्य शुल्क अध्ययन-आवास सुविधा।
8. ज्ञान के अवगाहन हेतु बृहद् अनुसंधान केन्द्र एवं आधुनिक तकनीक युक्त बृहद् पुस्तकालय।
9. नियमित राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए एकाधिक सभागार।
10. बालक-बालिकाओं के लिए शुद्ध, सात्त्विक, स्वादिष्ट एवं सुपाच्य भोजनयुक्त पृथक्-पृथक् छात्रावास सुविधा।
11. शारीरिक सौष्ठव व खेल गतिविधियों के लिए बृहद् खेल मैदान।
12. योग के प्रायोगिक/सैद्धान्तिक अध्ययन का पृथक से विशाल स्वतन्त्र केन्द्र।
13. विद्यार्थियों के लिए शासकीय छात्रवृत्तियों के प्रावधान के साथ स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की 24 घंटे समुचित व्यवस्था।
14. अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विद्वानों का विश्वविद्यालय में निरन्तर आवागमन।

दिव्यां भव्यां सुबोधाञ्च शुद्धामर्थप्रदायिनीम्। जननीं बहुभाषाणां वन्दे गीर्वाणभारतीम्।।

शैक्षणिक सत्र 2023-24 प्रवेश प्रारम्भ

प्रवेश हेतु शीघ्र सम्पर्क करें

हैल्पलाइन नम्बर	दूरभाष नम्बर	वेबसाइट
+91 75971 22440	0141-2850551-75	www.jrrsanskrituniversity.ac.in

e-mail : jrrsu@yahoo.com • @JRRSU